भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं.**180**
दिनांक **03** फरवरी**, 2020**

कच्चे तेल की बढ़ती कीमत

180. श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः
श्री एस॰ आर॰ पा र्थबनः
श्री नारणभाई काछ ड़याः
श्री ए॰ के॰ पी॰ चनराजः
डॉ॰ टी॰ आर॰ पारिवेन्धरः
श्रीमती गीताबेन वी॰ राठवाः
श्री रवनीत संहः
श्री प्रदीप कुमार संहः
श्री शान्तनु ठाकुरः
श्री ए॰ गणेशमूर्तिः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या यह सच है क वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य और अन्य संबं धत कारकों के कारण तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बहुत अस्थिरता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पछले तीन साल और चालू वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमत का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कच्चे तेल की आपूर्ति पर कुछ प्रतिबंधों के कारण तेल की आपूर्ति में गरावट के साथ-साथ तेल की कीमत में भी वृ द्ध हुई है और यदि हां, तो क्या सरकार ने तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव की इस उभरती हुई समस्या से निपटने के लए कोई दीर्घका लक रणनीति तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की बढ़ती कीमत को रोकने के लए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है और मध्य ए शया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर देश की ऊर्जा-जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या केंद्र सरकार ने अमेरिका के साथ ईरान और इराक के बीच चल रहे झगड़े से उत्पन्न होने वाली कसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु अमेरिका से कच्चे तेल के आयात को दोगुना करने का निर्णय लया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) अमेरिकी सरकार द्वारा क्या नियम और शर्तें रखी गई हैं और तेल आयात के लए वर्ष-वार कुल कतना व्यय होने की संभावना है और बढ़ी हुई तेलमात्रा के भारत कब तक पहुँचने की संभावना है?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) और (ख) कच्चे तेल के मूल्य में होने वाला उतार-चढ़ाव बाजार में बार-बार होने वाली घटना है जो कच्चे तेल की मांग और आपूर्ति, भू-राजनैतिक स्थिति तथा कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले देशों की नीतियों सहित अनेक घटकों पर निर्भर करता है।

पछले तीन वर्षों और चालू वर्षों के दौरान कच्चे तेल की भारतीय बास्केट का औसत मूल्य नीचे दिया गया है:-

वर्ष	कच्चे तेल की भारतीय बास्केट (अमरीकी डालर/बीबीएल)
2016-17	47.56
2017-18	56.43
2018-19	69.88
2019-20 (24 जनवरी, 2020 तक)	64.06

कच्चे तेल की जरुरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता पर प्रतिबंध का कोई प्रभाव नहीं पड़ा था और कच्चे तेल का आयात वर्ष 2016-17 में 213.9 एमएमटी से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 226.5 एमएमटी हो गया है।

(ग): सरकार ने पेट्रोल और डीजल के मूल्यों को क्रमश: 26.06.2010 और 19.10.2014 से बाजार निर्धारित कर दिया है। तब से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल वपणन कंपनियां (ओएमसीज) अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद मूल्यों तथा अन्य बाजार दशाओं के अनुसार पेट्रोल और डीजल के मूल्य निर्धारण के संबंध में उपयुक्त निर्णय लेती हैं। सरकार राजसहायता प्राप्त घरेलू एलपीजी के लए उपभोक्ता के लए प्रभावी लागत को आवश्यकतानुसार घटाती-बढ़ाती है।

(घ) और (ड.): इं डयन आयल कार्पोरेशन ल0 की जून 2019 से यूएस से कच्चे तेल के आयात के लए वा र्षक आव धक सं वदा है। वत्त वर्ष 2018-19 के दौरान यूएसए से कच्चे तेल का कुल आयात 6.4 एमएमटी था।

****